

SHRI FAYAZ AHMAD JAN

Shri Fayaz Ahmad Jan is a famous traditional crafts artist. Shri Jan is widely known across the world for his role in pioneering the Papier Mache craft, for his miniature and mural paintings. He is practicing this craft for more than 35 years.

2. Born on March 4, 1965 in Srinagar, Jammu & Kashmir, Shri Jan is educated upto matriculation. As a child he used to see his father, who was a traditional artist, doing his work. After the death of his father in 1979, he took this work as his profession when he was just in class 7th.

3. Shri Jan has regularly participated in various exhibitions in India. He has also worked in many festivals, demonstrations and workshops all over the world including Sweden, Italy, Singapore, USA, Oman, Dubai, Iran, Brazil, Kirgistan etc. He worked for Golden Eye Festival, USA in 1984 where he made many large products. This was the beginning of his journey.

4. Shri Jan has invented new designs and ideas in this craft and also taught these designs to many other craftsmen. He worked for Mumbai Chhatrapati Shivaji International Airport where he meticulously made 1000 sq ft. murals art. In this project he executed painting of Shehar e Khaas of Srinagar. This work was highly admired by the people.

5. Shri Jan is the recipient of numerous awards, honours and Certificates. He received the National Merit Certificate in 1985. He has also been conferred National Award by President of India in 1988 at the age of 23.



श्री फयाज़ अहमद जान

श्री फयाज़ अहमद जान एक सुप्रसिद्ध पारंपरिक शिल्पी हैं। आप पेपरमेशी शिल्प को आगे बढ़ाने में अपने अग्रणी योगदान तथा लघुचित्रों और भित्तिचित्रों के लिए विश्वभर में विख्यात हैं।

2. आपका जन्म 4 मार्च, 1965 को श्रीनगर, जम्मू और कश्मीर में हुआ। आपने मैट्रिक तक शिक्षा ग्रहण की है। बचपन में आप अपने पिता जो एक पारंपरिक शिल्पी थे, को अपना कार्य करते हुए देखा करते थे। वर्ष 1979 में अपने पिता की मृत्यु के पश्चात् जब आप कक्षा 7 में ही थे, आपने यह कार्य अपने व्यवसाय के रूप में अपनाया।

3. श्री जान ने भारत में विभिन्न प्रदर्शनियों में नियमित रूप से भाग लिया है। आपने स्वीडन, इटली, सिंगापुर, यूएसए, ओमान, दुबई, ईरान, ब्राजील, किर्गिस्तान आदि सहित संपूर्ण विश्व में कई महोत्सवों, प्रदर्शनियों और कार्यशालाओं में भी कार्य किया है। आपने वर्ष 1984 के यूएसए में गोल्डन आई फेस्टिवल के लिए कार्य किया जहां आपने अनेक विशाल कृतियां बनाई। यह आपकी यात्रा की शुरुआत थी।

4. आपने अपने शिल्प में नये-नये डिजाइन और विचार सृजित किए हैं और कई अन्य शिल्पियों को भी इन डिजाइनों को सिखाया है। आपने मुंबई के छत्रपति शिवाजी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए कार्य किया जहां आपने 1000 वर्गफुट के सुन्दर भित्तिचित्र बनाए। इस परियोजना के अंतर्गत आपने श्रीनगर के शहर-ए-खास का चित्र बनाया। इस कार्य की लोगों ने अत्यधिक सराहना की।

5. आपको अनेक पुरस्कार, सम्मान और प्रमाण-पत्र प्राप्त हुए हैं। आपको वर्ष 1985 में नेशनल मेरिट सर्टिफिकेट प्रदान किया गया हैं। आपको 23 वर्ष की आयु में, भारत के राष्ट्रपति द्वारा 1988 में राष्ट्रीय पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया हैं।